बारी बारी बरसी खटन गया सी

बारी बारी बरसी खटन गया सी खत के ले आनदी लोई,
सारी दुनिया देख लई माँ तेरे जेहा न कोई

बारी बारी बरसी खटन गया सी खत के ले आंदा तारा,
तेरे दर झुक जांदा एह जग दातिये सारा,

बारी बारी बरसी खटन गया सी खत के ले आंदा गहना,
आजो दर्शन कर लो पींगा झूट दियां ने बहना

बारी बारी बरसी खटन गया सी खत के ले आंदा फीहता,
ओहि लोकि तरदे जिह्ना दर्श मइयाँ दा किता,

https://bhajanganga.com/bhajan/lyrics/id/10938/title/baari-baari-barsi-khatan-geya-si-khat-ke-le-aandi-loi

अपने Android मोबाइल पर BhajanGanga App डाउनलोड करें और भजनों का आनंद ले |